PGDDM

सत्रीय कार्य 2019

(जनवरी 2019 और जुलाई 2019 सत्रों में
प्रवेष लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी.जी.डी.डी.एम.)

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110 068

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रिय छात्र/छात्राओ,

जैसा कि आपको आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका में बताया ही जा चुका है कि आपको चार क्रेडिट वाले प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य करने होंगे। आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। आप यह देखेंगे कि सत्रीय कार्यों के प्रश्न विश्लेषणात्मक और वर्णनात्मक प्रकृति के हैं। इन्हें करने से आप अवधारणाओं को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

सत्रीय कार्यों को करने से पहले कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को आपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। यह आवश्यक है कि आप सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

प्रस्तुतीकरण :

आपको सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा कराना होगा ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें।

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
एम.पी.ए.–001 एम.पी.ए.–002 एम.पी.ए.–003 एम.पी.ए.–004 एम.पी.ए.–005 एम.पी.ए.–006 एम.पी.ए.–007 एम.ई.डी.–004 (केवल उन्हीं विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने परियोजना कार्य के स्थान पर इस पाठ्यक्रम को लिया है।)	जनवरी 2019 सत्र के लिए 30 सितंबर 2019 जुलाई 2019 सत्र के लिए 31 मार्च 2020	अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को

सत्रीय कार्य करने के निर्देष

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. उमा मेडूरी
प्रो. डौली मैथ्यू
(कार्यक्रम संयोजक)

एम.पी.ए.–001 : प्राकृतिक आपदाओं को समझना
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–001
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–001/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2019
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. राज्य एवं जिला स्तर पर मौजूदा आपदा प्रबंधन व्यवस्था की व्याख्या कीजिये। 10
2. 'चेतावनी और पूर्वानुमान एक प्रभावशाली चक्रवात प्रबंधन व्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं'। विस्तृत वर्णन कीजिये। 10
3. सूखे के प्रभावों की चर्चा कीजिये तथा आपदा प्रबंधन में राजस्थान सरकार की भूमिका को उजागर कीजिये। 10
4. भारत में बाढ़ के कारणों एवं प्रभावों का वर्णन कीजिये। 10
5. भूकंप प्रवण क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन के लिए आप क्या उपाय सुझायेंगे। 10

भाग–II

6. ज्वालामुखी उद्गार की प्रकृति, कारणों तथा प्रभावों की चर्चा कीजिये। 10
7. भारत में 'भूस्खलन खतरा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्रथाएँ संतोषजनक हैं'। टिप्पणी कीजिये। 10
8. शीत लहरों के कारणों एवं प्रभावों का वर्णन कीजिये। 10
9. समुद्र तल के ऊपर उठने के मुख्य कारण क्या हैं? 10
10. भौमिक पारितंत्र पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर एक टिप्पणी लिखिये। 10

एम.पी.ए.–002 : मानव–निर्मित आपदाओं को समझना
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–002
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–002/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2019
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. मानव–निर्मित आपदाओं की प्रकृति एवं प्रकारों की चर्चा कीजिये। 10
2. जैविक आपदाओं के प्रमुख कारण एवं प्रभाव क्या हैं? 10
3. 'रासायनिक आपदा प्रबंधन के केस में उचित तैयारी एवं समय पर अनुक्रिया आवश्यक है'। विस्तृत वर्णन कीजिये। 10
4. शहरी भवनों में आग पर एक टिप्पणी लिखिये। 10
5. कोयले में आग लगने के कारणों की व्याख्या कीजिये तथा आपदा न्यूनीकरण के आवश्यक उपाय सुझाइये। 10

भाग–II

6. वनोन्मूलन के प्रमुख कारण एवं प्रभाव क्या है? 10
7. पर्यावरण और मानव पर औद्योगिक बहिःस्रावों के प्रभाव की चर्चा कीजिये। 10
8. 'प्रमुख वायु प्रदूषक मानव को प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यख रूप से प्रीाावित करते हैं' चर्चा कीजिए। 10
9. भारत में रेल दुर्घटनाओं के संदर्भ में आपदा प्रबंधन की प्रभाविकता का मूल्यांकन कीजिये। 10
10. विमान दुर्घटनाओं के कारणों की चर्चा कीजिये तथा ऐसी आपदाओं के न्यूनीकरण के लिये खतरा कम करने वाले उपायों को सुझाइये। 10

एम.पी.ए.–003 : जोखिम आकलन और संवेदनशीलता विश्लेषण
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–003
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–003/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2019
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. संवेदनशीलता को परिभाषित कीजिये तथा उसके मुख्य कारकों की चर्चा कीजिये। 10
2. जोखिम को परिभाषित कीजिये तथा जोखिम अनुमान का विवरण कीजिये। 10
3. आपदा जोखिम न्यूनीकरण में विज्ञान और तकनीक की भूमिका की चर्चा कीजिये। 10
4. भूकंप जोखिम मूल्यांकन पर एक टिप्पणी लिखिये। 10
5. समुदाय आधारित जोखिम मूल्यांकन के महत्त्व का विश्लेषण कीजिये। 10

भाग–II

6. 'गरीबी एवं संवेदनशीलता सहसंबद्ध है'। 10
7. शहरी नियोजन के प्रमुख मुद्दों की चर्चा कीजिये। 10
8. 'व्यवस्था संवेदनशीलता' पर एक टिप्पणी लिखिये। 10
9. जोखिम मूल्यांकन द्वारा उत्तरजीविका के सामाजिक-आर्थिक पहलुओं की चर्चा कीजिये। 10
10. 'खतरा प्रतिरोधी प्रारूप और निर्माण जोखिम को कम करते हैं।' चर्चा कीजिये। 10

एम.पी.ए.–004 : आपदा तैयारी
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–004
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–004/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2019
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. आपदा तैयारी की अवधारणा तथा आपदा के पहले, आपदा के समय तथा आपदा–पश्चात् होने वाली आपदा संबंधी तैयारियों की चर्चा कीजिये। 10
2. सूखा प्रबंधन के विशेष संदर्भ में आपदा तैयारी के लिये महत्वपूर्ण संस्थागत कार्यप्रणाली का परीक्षण कीजिये। 10
3. आवास तथा बुनियादी ढाँचे के संदर्भ में आपदा तैयारी के विविध आयामों पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिये। 10
4. आपदा तैयारी में विशेषीकृत संस्थाओं की भूमिका की व्याख्या कीजिये। 10
5. 'आपदा स्थितियों में पुलिस की बहु–आयामी भूमिका होती है।' टिप्पणी कीजिये। 10

भाग–II

6. आपदा तैयारी में भौगोलिक सूचना प्रणाली की भूमिका का परीक्षण कीजिये। 10
7. आपदा तैयारी में समुदाय संस्थागत रूप से एक सबसे शक्तिशाली तत्व के रूप में उभर रहा है। विस्तृत वर्णन कीजिये। 10
8. आपातकालीन ऑपरेशन केंद्रों पर एक टिप्पणी लिखिये। 10
9. पर्यावरण प्रभाव आकलन की अवधारणा तथा तत्वों की व्याख्या कीजिये। 10
10. सतत् भू–प्रयोग नियोजन से संबंधित मुद्दों की चर्चा कीजिये। 10

एम.पी.ए.–005 : आपदा प्रतिक्रिया
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–005
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–005/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2019
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. राज्य स्तर पर आपदा प्रतिक्रिया की प्रशासनिक क्रियाविधि का वर्णन कीजिये। 10
2. आपातकालीन तैयारी योजनाओं के संक्रियण में मुख्य पणधारियों की भूमिका का परीक्षण कीजिये। 10
3. क्षति आकलन के विभिन्न प्रकारों की चर्चा कीजिये। 10
4. आपदा प्रतिक्रिया प्रबंधन के विस्तार के उपायों का विस्तृत वर्णन कीजिये। 10
5. आपदा प्रतिक्रिया में अर्ध–सैनिक बलों की भूमिका पर एक टिप्पणी लिखिये। 10

भाग–II

6. तनाव प्रबंधन के विभिन्न तरीकों की चर्चा कीजिये। 10
7. पोषण के न्यूनतम मानकों पर एक टिप्पणी लिखिये। 10
8. राहत प्रबंधन के मुख्य घटकों की व्याख्या कीजिये। 10
9. कोषीय राहत के विभिन्न स्त्रोतों का वर्णन कीजिये। 10
10. आपदा पुनरुत्थान से संबद्ध चुनौतियों का परीक्षण कीजिये। 10

एम.पी.ए.–006 : आपदा चिकित्सा
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–006
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–006/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2019
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. 'महामारी रोग-विज्ञान की प्रविधियाँ आपदाओं के कारणों एवं परिणामों को मापने व वर्णित करने में सहायता करती है।' विस्तृत वर्णन कीजिये। 10
2. आपदाओं के समय स्वास्थ्य प्रबंधन में जोखिम रोकथाम के प्रति टीकाकरण एवं रोगाणु नियंत्रण के उपायों का वर्णन कीजिये। 10
3. साजो-सामान प्रबंधन के विभिन्न घटकों की व्याख्या कीजिये। 10
4. आपदाओं के समय स्वास्थ्य प्रबंधन में शिक्षा और प्रशिक्षण की भूमिका पर एक टिप्पणी लिखिये। 10
5. आपदा स्थितियों में दूर-दराज क्षेत्रों की सुविधाओं और बाधाओं की चर्चा कीजिये। 10

भाग–II

6. 'आपदा स्थल प्रबंधन, आपदा स्थल पर हताहतों और घायलों का प्रबंधन है।' स्पष्ट कीजिये। 10
7. आगजनी के समय चिकित्सा व स्वास्थ्य अनुक्रिया की व्याख्या कीजिये। 10
8. आपदाओं के दौरान चिकित्सा व स्वास्थ्य अनुक्रिया में भूगोलीय सूचना प्रणाली और रिमोट सेंसिंग की भूमिका का संक्षिप्त में परिक्षण कीजिये। 10
9. 'आगे की सेवाएँ/कार्यवाहियाँ तनाव के लक्षणों को कम करने में तथा आपदा पश्चात् समायोजन को बढ़ावा देने में सहायता करती है।' चर्चा कीजिये। 10
10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 200 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये –
    (क) हृदय फुफ्फुसीय पुनरुजीवन 5
    (ख) मुख्य चिकित्सा अधिकारी के लिए नियत कार्यशैली 5

एम.पी.ए.–007 : पुर्नवास, पुनर्निर्माण और पुनरुत्थान
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–007
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–007/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2019
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. 'क्या आपको लगता है कि आपदाएं भले ही क्रूर हो परंतु विकास की नई खिड़की खोल देती हैं।' विस्तृत वर्णन कीजिये। 10
2. आपदा प्रबंधन में सूचना प्रसार की भूमिका का परीक्षण कीजिये। 10
3. संवेदनशीलता के विभिन्न मानकों की व्याख्या कीजिये। 10
4. पुनर्निर्माण के लिए निधीयन व्यवस्थाओं पर एक टिप्पणी लिखिये। 10
5. भूकंप में आवासों को होने वाली क्षति के स्वरूप का परीक्षण कीजिये। 10

भाग–II

6. आपदा पश्चात् पुनर्निर्माण में में अंतरराष्ट्रीय अभिकरणों की भूमिका की चर्चा कीजिये। 10
7. 'सदमा, अस्वीकृति तथा आघात, आपदा पश्चात् व्यक्त की जाने वाली विशिष्ट अनुक्रियाएँ हैं।' उपयुक्त वाक्य को तनाव प्रबंधन तकनीकों के प्रकाश में परीक्षण कीजिये। 10
8. पुनरुत्थान कार्यों में पर्यवेक्षण और मूल्यांकन के महत्त्व को उजागर कीजिये। 10
9. 1998 के मालपा भूस्खलन पर एक टिप्पणी लिखिये। 10
10. आपदा पुनरुत्थान नियोजन की बुनियादी विशेषताओं की चर्चा कीजिये। 10

एम.ई.डी.–004
सहभागी प्रबंधन की ओर
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी.–004
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.डी.–004/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2019
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग– I और भाग– II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल मिलाकर पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 400 शब्दों प्रत्येक में देने हैं। यह आवश्यक है कि कम से कम 2 प्रश्न प्रत्येक भाग में से होने चाहिये। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. क्षेत्रीय कार्य तथा विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिये सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन के उपकरणों एवं तकनीकों के विभिन्न प्रयोगों का वर्णन कीजिये। 10
2. ओरंगी पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की चर्चा कीजिये। 10
3. संगठन संस्कृति में बदलाव लाने में नेतृत्व एवं नवीनीकरण की भूमिका को उजागर कीजिये। 10
4. एकीकृत तटीय प्रबंधन के आवश्यक तत्वों को संक्षिप्त में स्पष्ट कीजिये। 10
5. दक्षिण एशिया में सहभागिता प्रबंधन के संगठनात्मक प्रतिमान की व्याख्या कीजिये। 10

भाग–II

6. 'सतत विकास के लिये लोगों को सशक्त बनाने में सहभागी दृष्टिकोण महवपूर्ण है'। विस्तृत वर्णन कीजिये। 10
7. पर्यावरण के संरक्षण के लिये महिला आंदोलनों की चर्चा कीजिये। इससे संबधित कुछ केस अध्ययनों को उजागर कीजिये। 10
8. संयुक्त वन प्रबंधन में नीति रुझान को सामने लाइये। 10
9. एकीकृत आर्द्रभूमि प्रबंधन से आप क्या समझते हैं? 10
10. शिक्षण में विपर्ययता (Reversals in Leaning) पर संक्षिप्त में लिखिये। 10